सर्फ लाइफ सेवर रह चुकी हैं कैंडिस

कैंडिस ने भी इंस्टाग्राम पर अपनी और वॉर्नर की तस्वीर शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सोमवार को स्विच अप, डेविड वॉर्नर मेरे पुराने कॉस्ट्यूम में अच्छे लग रहे हैं। कैंडिस भी पहले सर्फ लाइफ सेवर रह चुकी हैं। कोरोना से बचाव के तौर पर भारत समेत कई देशों में लॉकडाउन घोषित है और क्रिकेट जगत की दिग्गज हस्तियां अपने अपने घर पर समय बिता रही हैं।

वॉर्नर का स्विच अप, पत्नी कैंडिस की कॉस्ट्यूम में आए नजर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व उप–कप्तान डेविड वॉर्नर सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहते हैं और लॉकडाउन के दौरान तो फैंस के लिए वीडियो–फोटो लगातार शेयर कर रहे हैं। वॉर्नर ने सोमवार को एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह अपनी बीवी की पुरानी ड्रेस पहने नजर आए जबकि उनकी पत्नी ने उनकी ऑस्ट्रेलियाई टीम की जर्सी पहनी। वॉर्नर ने यह वीडियो टिकटॉर पर बनाया जिसे बाद में इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया। इस वीडियो में वह पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम की जर्सी पहने हाथ में मोबाइल लिए खड़े थे और उनकी पत्नी आइरनविमन रेसिंग कॉस्ट्यूम पहने हुए थीं। अगले ही पल में दोनों की ड्रेस बदल गई और ऑस्ट्रेलियाई टीम की जर्सी कैंडिस ने पहन ली। इस वीडियो के कैप्शन में वॉर्नर ने लिखा, फ्लिक द स्विच। उन्होंने अपनी पत्नी कैंडिस वॉर्नर को भी टैग किया।

विकेटों के पीछे धोनी की जगह लेने का दबाव बहुत अधिक

क्रिकेट

- टीम की जरूरत के हिसाब से कोई भी भूमिका निभाने के लिए तैयार: लोकेश राहुल
- फैंस आपसे काफी उम्मीदें लगाए रहते हैं, क्योंकि आप धोनी की जगह खड़े होते हो

पिछले कुछ समय से विकेटकीपर की भूमिका निभा रहे लोकेश राहुल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। पिछले कुछ समय से भारत के लिए सीमित ओवरों की क्रिकेट में विकेटकीपर की भूमिका निभा रहे लोकेश राहुल ने कहा कि विकेटों के पीछे दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की जगह लेने का बहुत अधिक दबाव रहता है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे कारण यही है कि फैंस आपसे काफी उम्मीदें लगाए रहते हैं। धोनी पिछले साल इंग्लैंड में खेले गए वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के बाद से ब्लू जर्सी में नजर नहीं आए हैं। उन्होंने 2014 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

राहुल ने इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में विकेटकीपर की भूमिका निभाई और न्यूजीलैंड दौरे के दौरान भी उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली। राहुल ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड' में कहा, 'जब मैं भारत की तरफ से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभा रहा था तो नर्वस था क्योंकि दर्शकों के कारण आप पर दबाव रहता है। अगर आप चूक जाते हैं तो लोग सोचते हैं कि आप महेंद्र सिंह धोनी की जगह नहीं ले सकते।'

28 वर्षीय भारतीय बल्लेबाज ने कहा, 'धोनी जैसे दिग्गज विकेटकीपर की जगह लेने का दबाव बहुत अधिक था, क्योंकि विकेटकीपर के रूप में किसी को स्वीकार करने पर लोगों के दिमाग में यह बात जरूर आती है।' अब तक 36 टेस्ट, 32 वनडे और 42 टी20 इंटरनैशन मैच खेल चुके राहुल ने कहा कि विकेटकीपिंग उनके लिए नया काम नहीं है क्योंकि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान और अपनी रणजी टीम कर्नाटक की तरफ से पहले भी यह भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने कहा, 'जो लोग क्रिकेट पर नजर रखते हैं वे जानते हैं कि मैं लंबे समय तक विकेटकीपिंग से दूर नहीं रहा क्योंकि मैंने आईपीएल और जब भी कर्नाटक की तरफ से खेला तब विकेट के पीछे भी जिम्मेदारी संभाली।'

राहुल ने कहा, 'मैं हमेशा विकेटकीपिंग के संपर्क में रहता हूं लेकिन मैं ऐसा इंसान भी हूं जो टीम की जरूरत के हिसाब से किसी भी तरह की भूमिका निभाने के लिए तैयार रहता हूं।'

विराट ने डि विलियर्स से कहा, क्रिकेट के मैदान पर मैंने ऐसा शॉट कभी नहीं देखा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। विराट कोहली और एबी डि विलियर्स दोनों ही आक्रामक बल्लेबाज हैं। आईपीएल में जब दोनों साथ होते हैं तो गेंदबाजों के लिए बहुत मुश्किल वक्त होता है। रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के लिए दोनों ने बहुत अच्छी पारियां साथ खेली हैं। लेकिन इनमें साल 2016 में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात लायंस के खिलाफ दोनों की साझेदारी को आज भी याद किया जाता है। इस मैच में कोहली और डि विलियर्स दोनों ने सेंचुरी लगाई थी। यह विकेट बल्लेबाजी के लिए मुफीद नहीं था। गेंद बल्ले पर आ नहीं रही थी। यह धीमा

विकेट था और स्पिनर्स को मदद मिल रही थी लेकिन एबीडी और कोहली ने मास्टर क्लास बल्लेबाजी की। गुजरात लायंस के पास इस आक्रामक जोड़ी को रोकने का कोई रास्ता नहीं था। कोहली और डि विलियर्स ने कई आकर्षक शॉट खेले। पर विराट को एबी डि विलियर्स का एक शॉट काफी पसंद आया और कोहली उसे सबसे ऊपर रखते हैं।

कोहली ने एबी डिविलियर्स के साथ इंस्टाग्राम लाइव चौट के दौरान कहा, श्मैंने क्रिकेट मैदान पर ऐसा कभी नहीं देखा। मैंने कभी नहीं देखा कि एक फुलटॉस गेंद को 45 डिग्री के ऊपर मैदान के बाहर मारे। यह एग्जेक्टली फाइन लेग के ऊपर से नहीं था लेकिन ऐसा ऐंगल था जहां गेंद मारना लगभग असंभव है। मैं नहीं जानता कि आपने वह शॉट कैसे मारा। मैं हैरान था, क्रिकेट के मैदान पर मैंने ऐसा शॉट नहीं खेला। यह 16वें ओवर की पहली गेंद थी। डि विलियर्स थोड़ा सा ऑफ स्टंप की ओर गए और प्रवीण कुमार की फुलटॉस को स्टेडियम के बाहर छह रन के लिए भेजा।

डि विलियर्स और कोहली के बीच 229 रन की साझेदारी हुई थी। डि विलियर्स ने सिर्फ 52 गेंद पर 129 रन बनाए थे। अपनी पारी में उन्होंने 10 चौके और 12 छक्के लगाए थे।

मुझे टीम से बाहर किया तो लगा जैसे किसी ने करारा तमाचा जड़ा है:

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में दो मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद भारत के शीर्ष ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पता चल गया था कि टी20 में गेंदबाजी करना आसान नहीं होता। इस वास्तविकता ने उन्हें एक दशक पहले कड़ा सबक सिखाया था। क्रिकेटर से कॉमेंटेटर बने संजय मांजरेकर के साथ ईएसपीएनक्रिकइन्फो के लिए पोडकास्ट में अश्विन ने बताया कि चेन्नै सुपरकिंग्स की तरफ से खेलते हुए आईपीएल 2010 ने उन्हें किस तरह से प्रभावित किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में खेलने पर बात की और बताया कि कि आखिर उनके स्पिन जोड़ीदार रविंद्र जडेजा क्यों नैसर्गिक खिलाड़ी हैं। अश्विन ने आईपीएल 2010 को याद किया जब दो मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें सीएसके की टीम से बाहर कर दिया गया। यह उनके लिए कड़ा सबक था क्योंकि उन्हें लगता था कि स्टीफन फ्लेमिंग ने उनसे बात नहीं की और उन्हें टीम प्रबंधन का पर्याप्त समर्थन नहीं मिला था। अश्विन ने कहा, लोग सोचते थे कि मैं खुद को बहुत अच्छा गेंदबाज मानता हूं लेकिन जब आईपीएल में खेलता हूं तो इस तरह से बुरा प्रदर्शन करता हूं।

न्यूज डायरी

कोरोना वायरस का कहर, फ्रेंच फॉर्म्युला–1 ग्रां प्री भी रद्द

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पैरिस। घातक कोरोना वायरस महामारी के कारण 28 जून को होने वाली फ्रेंच ग्रां प्री फॉर्म्युला वन रेस को सोमवार को रद्द कर दिया गया। आयोजकों ने यह घोषणा की। रेस के प्रबंध निदेशक एरिक बोलियर ने कहा कि कोविड–19 के कारण मौजूदा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा, 'कोविड–19 वायरस के प्रसार से जुड़ी स्थिति को देखते हुए फ्रेंच ग्रां प्री ने फ्रांसीसी सरकार के फैसलों पर गौर किया। हमने निर्णय किया कि वर्तमान स्थिति में इस प्रतियोगिता का आयोजन करना संभव नहीं है।' फॉर्म्युला वन की यह इस साल की दसवीं रेस है जिसे कोविड–19 के कारण रद्द या स्थगित करना पड़ा है। जिन रेस को रद्द करने का फैसला किया गया है उनमें फ्रांस के अलावा ऑस्ट्रेलिया और मोनाको की रेस शामिल हैं जबकि बहरीन, चीन, वियतनाम, नीदरलैंड, स्पेन, अजरबेजान और कनाडा में होने वाली रेस को स्थगित कर दिया गया है।

लॉकडाउन में बजरंग पूनिया की मस्ती, तू चीज लाजवाब पर थिरके

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोविड– 19 वायरस ने भले दुनिया की रफ्तार थाम दी हो। लेकिन खिलाड़ियों का उत्साह और जोश इससे ठंडा नहीं पड़ा है। इन दिनों खिलाड़ी भले खेल से दूर हों लेकिन घर में रहकर भी वे अपनी फिटनेस पर बखूबी काम कर रहे हैं। देश के दिग्गज पहलवान बजरंग पूनिया भी उनमें से एक हैं। बजरंग अपनी रूटीन एक्सरसाइज करने के अलावा डांस करके भी अपनी फिटनेस और मस्ती पर एक साथ काम कर रहे हैं। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने बजरंग का ऐसा ही एक वीडियो अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। करीब एक मिनट के इस वीडियो में बजरंग एक फेमस हरियाणवी सॉन्ग तू चीज लाजवाब पर मस्ती में थिरक रहे हैं। इस वीडियो में शॉर्ट्स और टीशर्ट पहने बजरंग पूरी मस्ती में झूम रहे हैं।

कभी जूते पर खुद एडिडास लिखा था, अब वे मेरे नाम के साथ जूता बनाते हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। देश की स्टार फर्राटा धाविका हिमा दास ने कहा कि उन्होंने ऐसा समय भी देखा है जब वह अपने साधारण जूते पर खुद से एडिडास लिखती थीं लेकिन अब खेल सामग्री बनाने वाली यह बड़ी कंपनी उनकी जरूरत के हिसाब से जूते तैयार करती है जिस पर उनका नाम लिखा होता है। इंस्टाग्राम पर भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना के साथ बातचीत के दौरान हिमा ने बताया कि जब वह पहली बार नैशनल्स में भाग लेने वाली थीं, तब उनके पिता ने साधारण स्पाइक वाले जूते खरीदे थे। कोविड–19 महामारी के कारण एनआईएस–पटियाला में फंसी 20 साल की इस धाविका ने कहा, 'शुरुआत में मैं नंगे पांव दौड़ती थी। जब मैं पहली बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही थी, तब मेरे पिता मेरे लिए स्पाइक्स वाले जूते ले आए थे। यह सामान्य जूते थे, जिस पर मैने खुद से एडिडास लिख दिया था। आप कभी नहीं जानते कि भविष्य में भाग्य क्या कर सकता है, एडिडास अब मेरे नाम के साथ जूते बना रहा है।' हिमा ने फिनलैंड में अंडर–20 वर्ल्ड चौंपियनशिप 2018 में 400 मीटर दौड में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा था।

वेतन कटौती के बारे में पूछे जाने पर लालच नहीं दिखाएंगे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। टेस्ट कप्तान टिम पेन ने कहा है कि कोविड–19 महामारी के कारण वित्तीय संकट को देखते हुए देश में क्रिकेट की बेहतरी के लिए अगर उनसे वेतन कटौती के बारे में पूछा जाता है तो वह और उनके खिलाड़ी लालच नहीं दिखाएंगे। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे और टी20 विश्व कप पर सवालिया निशान लग गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पहले ही अपने 80 प्रतिशत स्टाफ की छुट्टी कर चुका है और अब खिलाड़ियों के वेतन में संभावित कटौती को लेकर एसीए से बातचीत कर रहा है। पेन ने एबीसी रेडियो से कहा, 'यह जरूरी है कि खिलाड़ियों को खेल की वास्तविक वित्तीय स्थिति का पता चले और खिलाड़ी लालच नहीं दिखाने वाले।' उन्होंने कहा, 'हमारी आजीविका, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और खिलाड़ी संघ से जुड़े सभी लोगों की आजीविका इस पर निर्भर करती है कि क्रिकेट का खेल फलता–फूलता रहे।'